संस्कृत,पालि एवं प्राकृत विभाग,
रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर,

संस्कृत अध्ययन मण्डल की बैठक

आज दिनांक 6/10/2020, मंगलवार दोपहर 12 बजे विश्वविद्यालय में संस्कृत अध्ययन मण्डल की बैठक की गई जिसमें निम्नलिखित सदस्य उपस्थित थे–

1. प्रो.धीरेन्द्र पाठक (कलासंकायाध्यक्ष)
2. प्रो.राधिका प्रसाद मिश्र (अध्यक्ष अध्ययन मण्डल) — 06-10-2020

सदस्य –

1. प्रो.कमलनयन शुक्ल
2. डॉ. माला प्यासी —
3. डॉ. बी.एल.आर्मो
4. डॉ. गंगाधर त्रिपाठी —
5. डॉ. पंचम लाल झारिया

प्रस्ताव–

इसमें एक वर्षीय पी.जी. कर्मकाण्ड डिप्लोमा पाठ्यक्रम सन् 2020–2021 से प्रारंभ करने हेतु प्रस्तावित किया गया।

निर्णय–

1. सर्वसम्मति से एक वर्षीय पी.जी. कर्मकाण्ड डिप्लोमा पाठ्यक्रम सन् 2020–2021 से प्रारंभ करने का निर्णय लिया गया।
2. पाठ्यक्रम का संपूर्ण विवरण इस प्रकार से है–

प्रवेश संबंधी नियमावली

- इस पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु निर्धारित सीट संख्या 30 होगी।
- अर्हता प्रवेश पात्रता स्नातक परीक्षा में 45% होगी।
- इस पाठ्यक्रम की अवधि एक वर्ष होगी।

- परीक्षा परिणाम की श्रेणी व न्यूनतम अंक का निर्धारण रा.दु.विश्वविद्यालय के नियमानुसार होगा।
- उपस्थिति 75% अनिवार्य होगी।
- यह डिप्लोमा कार्यक्रम 2020/2021 से प्रभावी है।
- परीक्षा पद्धति का स्वरूप वार्षिक(Annual)रहेगा।

प्रश्नपत्र संरचना

- डिप्लोमा पाठ्यक्रम 400 अंकों का होगा जिसमें 300 अंकों के सैद्धान्तिक प्रश्नपत्र एवं 100 अंकों की मौखिकी परीक्षा होगी।

डिप्लोमा शुल्क

1. प्रवेश शुल्क (छात्र–छात्राओं दोनों के लिए)	1150/–
2. नामांकन शुल्क	330/–
3. पंजीयन शुल्क	330/–
4. परीक्षा शुल्क	1860/–
5. परीक्षा अग्रेषण शुल्क	250/–
6. उपाधि शुल्क	550/–
कुल शुल्क	4420/–

उद्देश्य –

1. कर्मकाण्ड के माध्यम से रोजगारोन्मुखी/आत्मनिर्भर बनाना।
2. जन्म से मृत्युपर्यन्त संस्कारों का परिचय कराना।
3. कर्मकाण्ड के महत्त्व से अवगत कराना एवं उसके दैनिक प्रयोगों को बतलाना।
4. हिन्दू धर्म की सूक्ष्मताओं को उद्घाटित करना।
5. पूजा पद्धति का ज्ञान एवं प्रयोग कराना।
6. पूजन में प्रयुक्त होने वाले श्लोक, मन्त्र, वाक्य एवं संकल्पादि का शुद्धोच्चारण कराना।
7. कर्मकाण्ड की परंपरा का संरक्षण एवं संवर्द्धन करना।
8. हिन्दू धर्म के एक महत्त्वपूर्ण अंग के रूप में कर्मकाण्ड की आवश्यक्ता को बताना।

एक वर्षीय पी. जी. कर्मकाण्ड डिप्लोमा

पाठ्यक्रम

प्रथम प्रश्न पत्र

व्याकरण, मुहूर्त एवं पंचमहायज्ञ

समय 3 घण्टे **कुल अंक 100**

प्रथम इकाई	वाक्य संरचना	20
	(शब्दरूप, धातुरूप, कारक प्रकरण, प्रत्यय प्रकरण)	
द्वितीय इकाई	पंचांग परिचय	20
	(तिथि, वार, नक्षत्र, योग, करण)	
तृतीय इकाई	मुहूर्त प्रकरण	20
चतुर्थ इकाई	संकल्प, संध्योपासन विधि एवं नित्यकर्म	20
पंचम इकाई	पंचमहायज्ञ	20
	(ब्रह्म, देव, पितृ, भूत, अतिथि)	

सन्दर्भित ग्रन्थ–

1. प्रारंभिक रचनानुवाद कौमुदी – कपिल देव द्विवेदी
2. बृहदवकहड़ाचक्र – अवधबिहारी
3. नित्यकर्म पूजाप्रकाश – गीता प्रेस गोरखपुर

एक वर्षीय पी. जी. कर्मकाण्ड डिप्लोमा

पाठ्यक्रम
द्वितीय प्रश्न पत्र
ग्रहशान्ति एवं वास्तुशान्ति

समय 3 घण्टे **कुल अंक 100**

प्रथम इकाई	गणेश पूजन से पंचांग पूजन तक	20
द्वितीय इकाई	सर्वतोभद्र, लिंगतोभद्र,स्थापन एवं पूजन	20
तृतीय इकाई	अग्नि स्थापना से ग्रह स्थापना तक	20
चतुर्थ इकाई	कुष्कण्डिका तथा हवन	20
पंचम इकाई	शिलान्यास, गृहप्रवेश एवं वास्तुशान्ति	20

संन्दर्भित ग्रन्थ–

1. ग्रहशान्ति– वेणीराम शर्मा गौड़
2. ब्रह्मनित्यकर्म समुच्चय – मास्टर खिलाड़ी लाल
3. शिलान्यास पद्धति – डॉ. वेणीराम गौड़
4. गृहप्रवेश पद्धति – डॉ. वेणीराम गौड़

एक वर्षीय पी. जी. कर्मकाण्ड डिप्लोमा

पाठ्यक्रम

तृतीय प्रश्न पत्र

संस्कार एवं कथा

समय 3 घण्टे		**कुल अंक 100**
प्रथम इकाई	षोडश संस्कार (सामान्य परिचय)	20
द्वितीय इकाई	उपनयन संस्कार	20
तृतीय इकाई	विवाह संस्कार	20
चतुर्थ इकाई	अन्त्येष्टि संस्कार	20
पंचम इकाई	सत्यनारायणादि व्रत कथा	20

संन्दर्भित ग्रन्थ–

1. संस्कार प्रदीप –
2. विवाह पद्धति – डॉ. वेणीराम गौड़
3. अन्त्येष्टि श्राद्ध प्रकाश – गीता प्रेस गोरखपुर
4. कथा संग्रह – गीता प्रेस गोरखपुर

6.10.24

एक वर्षीय पी. जी. कर्मकाण्ड डिप्लोमा

पाठ्यक्रम

चतुर्थ

मौखिकी परीक्षा

मौखिकी में संपूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित प्रश्न पूछे जायेंगे।

समय 3 घण्टे **कुल अंक 100**

उक्त संपूर्ण विषय सर्वसम्मति से निश्चित किये गये–

1. प्रो.धीरेन्द्र पाठक (कलासंकायाध्यक्ष)
2. प्रो.राधिका प्रसाद मिश्र (अध्यक्ष अध्ययन मण्डल) 6.10.2020

सदस्य –

3. प्रो.कमलनयन शुक्ल
4. डॉ. माला प्यासी
5. डॉ. बी.एल.आर्मो
6. डॉ. गंगाधर त्रिपाठी
7. डॉ. पंचम लाल झारिया

06.10.2020

Dr. Radhika Prasad Mishra
Prof. & Chairman of Board of Studies
Sanskrit, Pali & Prakrit Deptt.
R.D.V.V. Jabalpur (M.P.)